Roll No : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

AP–454

M.A. (Final) Examination, 2021

HINDI

Paper - IV **(क)**

(राजस्थानी भाषा और साहित्य)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ प्रत्येक 2

1. सगळा **दस** सवालां रा जवाब देवणा है। (सबद सीमा **50** सबद)।

   (i) "काह चिणावै मैड़िया" निबंध रा लेखक कुण है ?

   (ii) "उत्तम खेती मध्यम बाण" निबंध में कांई मूळ बात है ?

(iii) "नगिया" रो परिचय करावो।

(iv) कामदार री कुळदेवी कामदार नैं कांई सराप देवै ?

(v) अचलदास खीची री जोड़ायत रो कांई नाम हो ?

(vi) "वचनिका" किण काव्य-विधा मांय गिणी जावै ?

(vii) पृथ्वीराज राठौड़ "वेलि" रो मूळ आधार किण ग्रंथ नैं बतायो है ?

(viii) "वेलि" मांय किण **दो** रसां रो समन्वय है ?

(ix) "स्वतंत्रता री जोत" पोथी रा संपादक कुण है ?

(x) "पावन प्रताप री आण" कविता रा कवि कुण है ?

खण्ड–ब प्रत्येक 8

नोट :– सात मांय सूं किणी पांच सवालां री व्याख्या करो। (सबद सीमा **200** सबद)।

2. स्वामीजी हौळै-हौळै बोल्या-देखो, बात सुणो म्हारी। तीरथां जायर थे भगवान री मूरत नैं हाथ जोड़सो अर थांरो जीवण सफळ मानसो। अठै घर में माता रै रूप में खुद भगवान बिराजमान है, मां सूं बडो कोई भगवान कोनी, मां री सेवा सूं बेसी किणी तीरथ, बरत, जात्रा रो फळ कोनी, फेर घर में बिराजमान भगवान नैं नोकरां रै भरोसै छोडर तीरथ री सल्ला हूं तो आज देवूं ना काल।

3. जे थांरौ उणियारौ सांचाणी बदलीजियोड़ौ होवतौ, तौ आ छोरी थांनै कीकर ओळखती। इणनै तौ डर लागणौ चाइजतौ। जे थांरौ उणियारौ सांचाणी बदलीज गियौ हौ तौ थांनै इक्कीस महीणा रौ धीजौ राखण रौ भरोसौ होवणौ चाइजतौ। धणी हौ तौ आ काया सेवट थांनै ई सूंपणी ही, इणनै चींथण री उतावळ क्यूं करी ?

4. बलि-बंधण! मुझ, सियाल सिंघ बलि,

प्रसाइ, जउ बीजउ परणइ।

कपिल धेनु दिन पात्र कसाई,

तुलसी करि चंडाल तणइ॥

5. तितरइ बोलतउ हुवउ छइ पाल्हणसी बाला-कउ। राजा अचलेसवर प्रति कहइ छइ-इसउ कांयउ क्रित ही रहिबउ, मरण तउ छइ अेक वार, नाउं इसउ प्रज पाइवउ बार-बार। इवइ यउं कीजइ, साहण, वाहण अरथ भंडार संभालिजइ, जलइ सू जउहर जालिजइ, नहीं त्यउ खांडइ, निहरवालिजइ, अवधू पुरखारथ कीजइ। अवधू पुरखारथ करतां मरतां दीजइ रूहिर का पिंड, इणि विधि हुइजइ खंड-विहंड।

6. अेकइ वन्नि वसंतड़ा, अेवड़ अंतर काइ ?

सीह कवड्डी नह लहइ, गइवर लक्खि बिकाइ॥

गइवर गलइ गलत्थियउ, जहं खंचइ तहं जाइ।

सीह गलत्थण जइ सहइ, तह दह लक्खि विकाइ॥

7. इण ही उपजायो है प्रताप

गोरो-बादळ चुंडो हमीर

इस ही माटी में जिलम लियो

जंगळ-पत सम अमर वीर

पदमणी प्रळै बण पल भर में

बण गई भस्म रो ढेर अठै

कहा रह्यो खड़ो चित्तोड़-थंभ

कुंभा जैड़ा भट फेर कठै ?

8. "केसरी-जोरावर-प्रताप" कविता रा मूळ भाव आपरै सबदां में लिखो।

खण्ड-स प्रत्येक 20

नोट :- चार मांय सूं किणी **दो** सवालां रा जवाब देवणा है। (सबद सीमा **500** सबद)।

9. कला-पख अर भाव-पख रै आधार माथै "अचलदास खीची री वचनिका" री कूंत करो।

10. "वेलि क्रिसन रुकमणी री" मांय निरूपित भगती-भावना नैं उदाहरण-सेती समझावो।

11. नाटक रै तत्वां रै आधार माथै "धरमजुद्ध" नाटक री समीक्षा करो।

12. नानूराम संस्कर्ता रै निबंध "राजस्थानी लोक साहित्य में रुंख" रो बखाण करतां थकां रुंख अर मानखै रो हेत-हिंतळास आपरै सबदां में उजागर करो।